आरती कीजे श्री रघुवर जी की हिंदी लिरिक्स

आरती कीजे श्री रघुवर जी की,
सत चित आनन्द शिव सुन्दर की।bd।

दशरथ तनय कौशल्या नन्दन,
सुर मुनि रक्षक दैत्य निकन्दन,
अनुगत भक्त भक्त उर चन्दन,
मर्यादा पुरुषोत्तम वर की,
आरती कीजै श्री रघुवर जी की,
सत चित आनन्द शिव सुन्दर की।bd।

निर्गुण सगुण अनूप रूप निधि,
सकल लोक वन्दित विभिन्न विधि,
हरण शोक भय दायक नव निधि,
माया रहित दिव्य नर वर की,
आरती कीजै श्री रघुवर जी की,
सत चित आनन्द शिव सुन्दर की।bd।

जानकी पति सुर अधिपति जगपति,
अखिल लोक पालक त्रिलोक गति,
विश्व वन्द्य अवन्ह अमित गति,
एक मात्र गति सचराचर की,
आरती कीजै श्री रघुवर जी की,
सत चित आनन्द शिव सुन्दर की।bd।

शरणागत वत्सल व्रतधारी,
भक्त कल्प तरुवर असुरारी,
नाम लेत जग पावनकारी,
वानर सखा दीन दुख हर की,
आरती कीजै श्री रघुवर जी की,
सत चित आनन्द शिव सुन्दर की।bd।

आरती कीजे श्री रघुवर जी की,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सत चित आनन्द शिव सुन्दर की।bd।

देखे – आरती उतार लो सीता रघुवर जी की।

Singer – Kanhiya Mittal Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com